

न लुदानवाक्का॥ ह म न नृपार्जुना म्र व म न मय व सदान न य निष्क॥ वा निष्क न स्य द व ह वाक्का ध य व म्रो ग्व म ति व
या नीरु मिता ध य न य व निरु ता व या स व म म द र्क न न म न या धिय व न ला क व या व न स्य न य म न प्र धि स्य व दान न ति व
रा व ति स्या स्य ति॥ ॥ श्रुति न ल दान विधि॥ ॥

५१

ॐ नमः श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ अथ नमः सुवन्द्ये मित्रलज्जं विष्णुं ॥ सगुणकलनागवच्च यदीय कायनामग्रीवं मुनयैः
गन्धनजसूदलयश्चाय मन्त्रासवबुधवायव्यञ्जनकन्दकिं जयन्त्यग्निमन्त्रकडुनेवासूकि ॥ अथ नमः
यश्च जलमग्नौ यानने जलककोटके वायव्यकुलिकलितन ॥ ॥ अथ कायनाममन्त्रासवबुधवायव्यञ्जनक
याश्च नमः ॥ ॥ यश्च सखातवाश्च नु वीजनिधि ॥ ॥ दक्षिणमन्त्रासवबुधवायव्यञ्जनकडुनेवासूकि ॥ अथ नमः
शिकावीजकसक्रुष्ट ॥ ॥ उरुसूयवाश्च नु उरुवाजमल ॥ ॥ अथ नमः सूकावीजमृष्टाश्च नु कंग ॥ ॥ अथ नमः
वीजकसक्रुष्ट नु ॥ ॥ नैजल्ययिकाश्च नु कसक्रुष्ट ॥ ॥ वायव्यसूयवाश्च नु वीजनाडन ॥ ॥ दक्षिण
वैशमृता ॥ ॥ हितावतिनासं ग्वसूयवमयनदास्यकायनाथयनायायादिगविदिगसंयवाकिदाननकृयक ॥ मल

वलिपूजादिदानकायनायातनसमस्तवलिआगतसंशुद्धदलवद्वयासीतय॥ ॥थंलिअवासीगुनमखुललंखव
लिअकंगयम्बधनसिधुगय।नागगिसमाधि॥कलमसगुनमनपूजा॥ ॥नगाजलकुआधिष्ठान॥उँसूखँदूँलं
हूँ॥उँसूखँमदनिवजितववजवधूँ॥उँवजसत्वज॥२१॥जलयागमध्याय्यंक्रियन॥ ॥कूमासनयाय॥उँ
ॐममहाकूमा॥दिवायुविगा॥ॐत्योदि॥॥वृक्षदवतावृद्धधर्मसंघनगायथिविज्ञानदलागकाशकूलनागधि
यगितवृष्टादवतासमाधुलयं॥दंमासनयुगिस्त्रिगंसर्वविद्यायुगमक्रिकूलस्वादा॥कूमाजलतननमका॥कूमा
यादिकाकूमाकगिरिककलावाकात्रिकाकास्काययग॥कागानसगीथयालंखनयकस्वस्त्रिवाकनगीखमइ
लंखनस्यंगीखननयवाकअद्यमका॥उँऊननवासाकित्यादि॥वनवाक॥ॐ॥उँ॥राहावनूधमदयाशकूलनागयाताः

धियतय सैसर्वतथगतसत्यन मेरा वीरुदा कन (साला दयन् दन स्वद्विय अमक का न नार्थ गाय निग कुती गाय
 जागक २२ नुव स्व २२ था गवा क न का ना व स लं व न य ॥ धन क वा यि वि २२ न न यु ॥ ॥ गता २२ दिला क या ल व
 द्यादि आ क र्थ ॥ य ता य म्मा ग ॥ लं वं ला क यो ल ना म्मा मु नि ॥ ॥ नि २२ स न य ति वे व व ज द स य सा व ल स र्व व
 का धिय द वं २२ द्या य न न म सु न ॥ १ ॥ नी ल का य म हा ग र्ज म दि सा स ना य स स्कि र्ग य म द सु ध नं ध र्य श्रा क्ता
 क क न मा म्मा र्द ॥ २ ॥ सु र्ध स्फु टि क म का र्ग अ ह ना ग्मा धिय य र्द दाल म शि क लं ध र्य व न्ना य न मा मि र्द ॥
 ३ ॥ ग्ना न का य म हा ग र्ज का ल का य स म य र्द अ म्ब न व द का य क व ना य न मा मि र्द ॥ ७ ॥ द्या द म द ह्य न र्क
 गु न वा य ध नं ती नं वा म क र्म द न्ध र्मो र्म अ नो स नं न मा मि र्द ॥ १ ॥ ना का व र्म म हा का य हा ना ह ल द र्द वि र्ग र्द र्द

वा य ध नं ती नं य ना स नं न मा मि र्द ॥ ५ ॥ य न द स क सु ना र्द स ल्हा द द म हा व लं वं व न व य ना द व म्मा स नं न म
 मि र्द ॥ १ ॥ ग्ना न या शि न य व २२ क व र्म म हा दालं स दा क ल्हा द वि र्द रि य ना क क न मा म्मा र्द ॥ ८ ॥ दु र्ध
 व क्ता पी ग व र्म व नु व द या न ग क म गु ल अ क स र्ज व र्द सा न र्द न मा म्मा र्द ॥ २ ॥ ना ग ना र्ज दु ध व र्म क्ता
 जी लि क ल य र्द य क्ता य रि स स्कि र्ग श य ना र्ग न मा म्मा र्द ॥ १० ॥ य धि वि क ल म ध र्म र्द व अ म्ग क सु र्म य र्द
 स र्वा क क न क व र्म य क्ता स नं न मा मि र्द ॥ ११ ॥ ग ता न ल य य र्ध न ॥ ग ता न ल द व ना ग्नि रा व ना प ग ना
 म य य न मा न य ३ ॥ ग ता न ल म धा ग्नि रा व य न ॥ ॥ ग ता आ य म गु ल म ल्हा र्द का न न य द्म माली य न इ य वि र्द
 का ना क र्म व न्ध र्म य र्द अ क स र्ज वि र्द र्द क व र्म स क र्द र्द क र्ता म न ना ग या ग ध र्म द क्रि द ना र्द य य र्द ॥

पूर्वदलज न के नाग ना ना नील वल्ली विरुद्ध ॥ २ ॥ दक्षिणें यज्ञ नाग नाजा गुह्य वल्ली यज्ञ विरुद्ध ॥ ३ ॥ यश्चि म दल
 त क क नाग नाजा न क वल्ली न वरुद्ध ॥ ४ ॥ इह न वा सु कि नाग नाजा न्य स वल्ली स क रुग्ण ॥ ५ ॥ वी ग न स दाय द नाग
 नाजा वल्ली वल्ली स क रुग्ण ॥ ६ ॥ अग्र य दल गं व या ल नाग नाजा पी वल्ली स क रुग्ण ॥ ७ ॥ ने स त्य क क र्क ट क नाग
 नाजा वल्ली स क रुग्ण ॥ ८ ॥ वायु वल्ली क नाग नाजा कं क म वल्ली स क रुग्ण ॥ ९ ॥ स्व स मू डा वि रा वा स्वा रु मु स मा
 य को ना स म र्क क त्य सं प्र स्था ना न द दि रा रा व नू द द व अ क क ल नाग म भिय न य वृ द र्ग व दिय व ना वि ना य नाग वृ मु
 मु व स्य ॥ ॥ अथ वा ॥ अ न ॥ अ म्मा क ना र व स व र्क न क द्रु म अ न द द व रि गि गि खि नी य न्न वा म्बू र रुग्ण दाला क लान व नू द
 स दल मु क र्ग व नू द व का नि स म्बू र व व र्मि माला अ क रि न र्ग य नि व र्क र टा क ला यं य ह्ना य वि ग मि त व मु वि र्क यि

नाक। स्यात्क्याक्ययनिमस्रिगदस्ययुद्धमं वामनिगिर्धयनिदधु कमधुनूस्व॥ उं वा व का एनयस्वादा॥ एहदिमदा
 ह् नदवधिदीजसहमगृहीत्वाह्निमदानृतास्मिं। सन्निदिताहवस्वादा॥ उं टर्किज३ हूं३ टर्कि वाजमूया॥ अया
 नाह्नाज३ न॥ यजा। यथ्याग॥ उं ओ३ वनूधायहूं नें हूं स्वादा॥ म॥ ॥ उं अ नें नायहूं नें हूं स्वादा॥ उं यमायहूं नें हूं स्व
 दा॥ उं नक्र कायहूं नें हूं स्वादा॥ उं वामू कियहूं नें हूं स्वादा॥ उ॥ उं मदाययायहूं नें हूं स्वादा॥ ॐ॥ उं गै ख
 यानौयहूं नें हूं स्वादा॥ अ॥ उं क कोटकायहूं नें हूं स्वादा॥ ने॥ उं कलिकायहूं नें हूं स्वादा॥ वा॥ यं ला यं सु
 मि॥ वनूधमयं वासदानाजय३ स्वस्वदववस्विग सत्वाथयसदानित्यवनूधायनममृग॥ ॥ उं सर्वतथागनकाय
 वि॥ धनस्वादा॥ कलमरियक। गैखलंखनसाय॥ उं वजदयं नहूं॥ क्रस्वनकन॥ उं खपुनादवजवनूग नागप्रियन

यस्यैवविद्युद्वरहं ३८८ स्वाहा ॥ **द्वुहायकसधन** ॥ ॥ उँ श्री वज्रसखआष्टा ॥ १ ॥ उँ खगुत्राहहं हँ हँ स्वाहा ॥ तता नलति
मावियलं खसाया ॥ तता हवयक नमी ॥ विहि **आधन** ॥ उँ आ ४ हँ ॥ यत्र स्मेत्यादि ५ ॥ ॥ गुता वनूध मुख हँ वँ कात्र ननु व
रुलधमानं मुक्कवर्जं विहा वन्ना ॥ **रावता** ॥ ॥ उँ अग्ने मस्वाहा ॥ यत ॥ उँ अयति तदन वजाय स्वाहा ॥ महा कृष्ण ॥ उँ अ
मृग नगाय स्वाहा ॥ उँ वजाय स्वाहा ॥ **एतद्वीरु** ॥ ॥ ॥ उँ वज्र वनूध यद्वं स्वाहा ॥ वरुँ सि ॥ उँ वाघि वक्राय
स्वाहा ॥ डा नंग न सि ॥ उँ वज्र यरुय स्वाहा ॥ इम्व न सि ॥ उँ वज्र नगाय स्वाहा ॥ यिना ख सि ॥ उँ वज्र कृव नाय स्वाहा ॥
उ न सि ॥ उँ वसुह को नाय स्वाहा ॥ अम्व न सि ॥ उँ सर्व यो यदहन वजाय सर्व यो यदहन २ स्वाहा ॥ **एततिन** ॥ उँ व ज वय
स्वाहा ॥ **आश्या** ॥ उँ वज्र वगय स्वाहा ॥ **एच्छा** ॥ उँ वज्र वीरुय स्वाहा ॥ **स्वानवा** ॥ उँ वज्र नागाय स्वाहा ॥ **नाम** ॥ उँ सर्वार्थ

सिद्ध स्वाहा ॥ **नकायका** ॥ उँ सर्व सं यद स्वाहा ॥ **आदनविषु** ॥ उँ वज्र वर्ग नरुलाय स्वाहा ॥ **रुलादि काल** ॥ उँ अग्ना पीत
स्वाहा ॥ रुकि वीरु वृया ह य वस मृग मिश्रि नहागवा ॥ उँ आ ४ हँ स्वाहा ॥ स्रुव व ॥ सकि ७ न स सादका ॥ सँ वरुया
॥ यँ ला स मुग ॥ गं वं श रुयाग ॥ **गृहानामिका** ॥ गृही शा गं वयै के इग्ने इव्वी कृत्तु सदिग न जल रुना रुगि १२ का न
यग ॥ प्रथमा रुति वीक स्व सि वाय उँ अ न रु वायु किर्यादि यथा निमिलं ॥ उँ नलका रुति युगी कृ स्वाहा ॥ मल मरु म
रु गे रुयाग रुयाग ॥ यँ ला यं मुग ॥ ॥ तता नल वृक्त नाव मगं का न यग ॥ ला कारु न रुना मि विहाय ॥ **जलाग्ने यद्य**
नामु रुदीन कमल वडा सनाय निम पुला धियति वीरु निश्चित्र विरु वीरु यनिना मय म पुला धियति सम पुल य निहाय ॥
रुान सखैरु कि न मि व सम न सिल न स दो की रुग ॥ ॥ विधि र्था दव यजा ॥ **स्नाग** ॥ वना ॥ स्व म पुला धियति म रु न रुय

105 13-24

131 1/2 12 1/2 (16)